

वैनतेय पुं. (तत्.) विनता की संतान, अरुण या गरुड़।

वैनायक वि. (तत्.) गणेशजी का, गणेश-संबंधी।

वैनाशिक वि. (तत्.) विनाश संबंधी, विनाश का, नाशवन, नश्वर 1. गुलाम, दास 2. मकड़ा 3. ज्योतिषी 4. बौद्ध सिद्धांत, बौद्ध सिद्धांत का अनुयायी।

वैनोदिक वि. (तत्.) विनोद से संबंधित, विनोद का; विनोदात्मक, मनोरंजक।

वैन्य पुं. (तत्.) राजा वेन का पुत्र पृथु।

वैपरीत्य पुं. (तत्.) विपरीतता, असंगति, प्रतिकूलता।

वैपुल्य पुं. (तत्.) विपुलता, अधिकता, विशालता, बाहुल्य, विस्तार।

वैफल्य पुं. (तत्.) विफल या असफल होने का भाव, निरर्थकता।

वैभव पुं. (तत्.) 1. धन संपत्ति, विभवशीलता, धन-दौलत, विभव, ऐश्वर्य 2. महत्त्व, बड़प्पन, गौरवान्वित पद, सामर्थ्य, शक्ति, महत्ता, महिमा युक्तता, गौरवशाली पद, शान-शौकत।

वैभवशाली पुं. (तत्.) जिसके पास बहुत धन संपत्ति हो, मालदार, अमीर, वैभव वाला।

वैभाषिक वि. (तत्.) विभाषा/बोली से संबंधित, विभाषा-संबंधी, विभाषा का पुं. बौद्धों की हीन यान की दो शाखाओं में से एक, उक्त संप्रदाय का अनुयायी।

वैभिन्न्य पुं. (तत्.) विभिन्नता, वैभिन्न्य।

वैभूतिक वि. (तत्.) 1. विभूति-संबंधी, विभूति का, ऐश्वर्यशाली समृद्ध, शक्ति संपन्न, प्रचुर, अत्यधिक 2. कंड़े की राख से युक्त।

वैमत्य क्रि. (तत्.) मतभेद, मतों की भिन्नता अनैक्य, फूट, घृणा, अरुचि।

वैमनस्य पुं. (तत्.) मनमुटाव, वैर, दुश्मनी, शत्रुता, विकलता, उदासी, बीमारी, खिन्नता, अन्यमन स्कता, मानसिक शिथिलता।

वैमात्र वि. (तत्.) सौतेली माता अर्थात् विमाता से उत्पन्न, सौतेला स्त्री. वैमात्रेयी, सौतेली।

वैमात्रेय वि. (तत्.) 1. विमाता-संबंधी, सौतेली माता का 2. विमाता जैसी दे. वैमात्र।

वैमानिक वि. (तत्.) विमान संबंधी, विमान का पुं. 1. वह जो विमान पर सवार हो 2. हवाई जहाज चलाने वाला। pilot

वैमानिकी स्त्री. (तत्.) विमान की इंजीनियरी, उसके कल-पुर्जों एवं उनके कार्यकलापों आदि का ज्ञान, विमानशास्त्र, विमानचालन विज्ञान।

वैमुख्य पुं. (तत्.) विमुखता, विपरीतता, मुँह फेरना, घृणा, अरुचि, पलायन, भागना।

वैयक्तिक वि. (तत्.) किसी एक व्यक्ति से संबंध रखने वाला अथवा उससे जुड़ा हुआ, निजी, व्यक्तिगत, जिस पर एक ही व्यक्ति का कानूनी अधिकार हो, जो सर्वसाधारण लोगों के लिए न हो, निजी, व्यक्तिगत, सामूहिक का विलोम या उससे उलटा।

वैयाकरण पुं. (तत्.) वह जो व्याकरण का अच्छा ज्ञाता हो, व्याकरण का पंडित, विद्वान या जानकार अथवा रचनाकार वि. व्याकरण-संबंधी, व्याकरण का।

वैयाघ्र वि. (तत्.) 1. चीते की तरह का, चीते का व्याघ्र-संबंधी 2. चीते के चर्म से आच्छादित कोई वस्तु।

वैयासिक पुं. (तत्.) व्यास का पुत्र या व्यास की परंपरा में।

वैर पुं. (तत्.) शत्रुता, दुश्मनी, द्वेष, विरोध, प्रतिहिंसा, बदला उदा. "वैर (वयरु) न कर काहू सन कोई" - तुलसी।

वैर शुद्धि स्त्री. (तत्.) किसी वैर का बदला चुकाना, दुश्मनी निकालना।

वैरांकुर पुं. (तत्.) शत्रुता का अंकुर, शत्रुता की शुरूआत।

वैराग वि. (तत्.) विराग का भाव, ईश्वर की ओर मन की वृत्ति, वैराग्य, अरुचि, घृणा, अप्रसन्नता, रंज, शोक पुं. वैराग्य।